MAEC

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2024–2025
तृतीय सेमेस्टर
(जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्र हेतु)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)
'सत्रीय कार्य 2024–2025

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमएईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे। ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

1) जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 है।

2) जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है।

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।
अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। अध्ययन केंद्र द्वारा आपको मिले अंक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतीकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

एम.ई.सी.–106 लोक अर्थशास्त्र
सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–106
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-106/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2024-25
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1. (i) ''समाज का समग्र कल्याण आवश्यक रुप से वैयक्तिक उपयोगिता स्तर पर निर्भर करता है''- इस कथन के आलोक में सामाजिक कल्याण फलन के विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या करें।सरकारी हस्तक्षेप किस प्रकार से नकारात्मक बाह्यताओं से जुड़ी समस्याओं का मुकाबला कर सकता है?

   (ii) सार्वजनिक निर्णयन किस प्रकार वैयक्तिक निर्णयन से भिन्न प्रकार का होता है? सोदाहरण समझायें। व्यक्ति किस आधार पर सामाजिक अवस्थाओं (social status) को श्रेणीबद्ध करता है?

2. बाजार विफलता से आपका क्या आशय है ? बाजार विफलताओं का लेखा जोखा दें। एकाधिकारी शक्ति से जुड़ी समस्याओं से निपटने के लिए किस प्रकार के राज्य हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है?

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. स्थानीय सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं की विशेषताओं को बतायें। क्या आप ऐसा मानते हो कि 'नागरिक उपभोक्ता चयन' की स्थानीय सरकारों द्वारा अनदेखी की जाती है? उदाहरण देते हुए व्याख्या करें।

4. सार्वजनिक व्यय एवं निजी व्यय में अंतर बतायें। सार्वजनिक व्यय किस सीमा तक किया जा सकता है?इस संबंध में एच डाल्टन द्वारा प्रतिपादित अधिकतम सामाजिक लाभ सिद्धांत की व्याख्या करें।

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखें

(i) वैश्विक शांति निर्देशांक
(ii) नाश संतुलन
(iii) दोहरा संघवाद
(iv) डूबती हुई लागतें

6. वित्तीय घाटा क्या है? किन किन उपायों द्वारा घाटे की वित्त व्यवस्था का वितीयमान किया जा सकता है?

7. आप 'समष्टिगत आर्थिक अस्थिरताओं' से क्या समझते हो? आप समष्टिगत आर्थिक आघातों (shocks) से पीड़ित अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने हेतु किन नीतिगत संयंत्रों का सुझाव देंगें?

एमईसी-107: अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: एमईसी-107
सत्रीय कार्य कोड: एमईसी-007 / एएसटी-1/2024-2025
कुल अंक: 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खंड – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1) रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ के सिद्धांत की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। यह एडमस्मिथ के निरपेक्ष लाभ के सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है?
2) व्यापार शर्तों की विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। प्रेबिश द्वारा समझाए गए व्यापार शर्तों के व्यवहार की आलोचनात्मक जांच कीजिए।

खंड – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बहुपक्षीय ढाँचे की व्याख्या कीजिए। इसकी प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
4) आर्थिक एकीकरण के विभिन्न रूप क्या हैं? व्यापार विपथन, व्यापार सृजन से किस प्रकार भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।
5) अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली के क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय प्रणालियों में रुझानों की जांच कीजिए।
6) व्यापार संरक्षण के विभिन्न साधनों की चर्चा कीजिए। कोटा और टैरिफ (प्रशुल्क) के बीच अंतर कीजिए।
7) स्थिर (नियत) और लचीली (नम्य) विनिमय दरों के सापेक्ष गुणों और दोषों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

एम.ई.सी.–110: मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमईसी.110
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2024-25
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

भाग – क

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

1 (क) वित्तीय लेनदेन से जुड़े विभिन्न प्रकार के जोखिम क्या हैं?

(ख) संकट के दौरान वित्तीय और आर्थिक कारक कैसे अंतःक्रिया करते हैं? मंदी से लड़ने के लिए किन नीतिगत विकल्पों का उपयोग किया जा सकता है? 2008 के आर्थिक संकट की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

2 (क) विनिमय दर से आप क्या समझते हैं? विनिमय दर निर्धारित करने की दो प्रणालियां क्या हैं?

(ख) विदेशी मुद्रा स्थिरता के कुछ नवीनतम मुद्दों पर चर्चा करें। विदेशी मुद्रा स्थिरता बनाए रखने के लिए आप क्या सुझाव देंगे?

भाग – ख

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

3. (क) अर्थव्यवस्था में पूंजी बाजार के प्रमुख कार्य कौन– कौन से हैं?

(ख) मोदिग्लिआनी–मिलर (Modigliani–Miller)प्रमेय की विवेचना कीजिए।

4 (क) पूंजी–दायित्वगत कीमत निर्धारण का प्रतिमान (Capital Asset Pricing Model) क्या है? यह कुशल बाजार परिकल्पना से किस प्रकार संबंधित है?

(ख) हम वास्तविक जीवन में कुशल बाजार परिकल्पना कैसे लागू कर सकते हैं? उदाहरण दीजिए।

5 (क) मान लीजिए कि एक निगम अंकित मूल्य ₹ 1,000 वाला बॉन्ड जारी करता है जो 3 वर्ष के अंत में 10% के प्रीमियम पर रिडीम किया जा सकता है। यदि छूट दर 12 % है और कूपन दर 8 % है, तो इस बॉन्ड के मूल्य की गणना करें। इसके अलावा, क्या आप इस बॉन्ड को खरीदेंगे यदि बॉन्ड का बाजार मूल्य ₹ 1,050 या ₹ 800 है?

(ख) निम्नलिखित जानकारी से परिपक्वता प्राप्ति (Yield to maturity) की गणना करें। कूपन दर =7%, अंकित मूल्य= ₹ 500, बॉन्ड की कीमत=₹ 350,परिपक्वता अवधि=10वर्ष।

6 (क) मौद्रिक नीति संचरण तंत्र में अंतनिर्हित प्रमुख सिद्धांत क्या हैं?

(ख) अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति के संचरण में वाणिज्यिक बैंक और गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान किस प्रकार योगदान करते हैं?

7 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए:

(क) माँग पर प्राप्ति (Yield to call)

(ख) मौद्रिक नीति के उपकरण

(ग) नाममात्र और वास्तविक ब्याज दर

(घ) कुशल पोर्टफोलियो फ्रंटियर (Efficient portfolio frontier)